भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2772

दिनांक 12 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विद्युत संयंत्रों की क्षमता

2772. श्री अरविंद धर्मापुरीः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पड़ोसी देशों को विद्युत आपूर्ति करने वाले स्वदेशी विद्युत संयंत्रों की कुल संख्या और क्षमता का सार्वजनिक और निजी स्वामित्व-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी कंपनियों द्वारा दूसरे देशों में संचालित और स्वामित्व वाले विद्युत संयंत्रों की क्षमता और स्थान सहित आंकड़े क्या हैं; और

(ग) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान दूसरे देशों में सीमा पार विद्युत व्यापार और विद्युत संयंत्र प्रचालनों से कितना राजस्व अर्जित किया गया?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : पड़ोसी देशों को विद्युत आपूर्ति करने वाले भारत के विद्युत संयंत्रों का विवरण **अनुबंध** पर दिया गया है।

(ख) से (ग) : वर्तमान में, विदेशों में किसी भी विद्युत संयंत्र का प्रचालन या स्वामित्व भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी कंपनियों द्वारा नहीं किया जा रहा है। हालांकि, बांग्लादेश में रामपाल मैत्री पावर प्रोजेक्ट (2x660 मेगावाट) की स्थापना बांग्लादेश इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी (बीआईएफपीसीएल) [(एनटीपीसी और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम] द्वारा की गई है। टाटा पावर की भूटान में दागाछू हाइड्रो पावर प्लांट (126 मेगावाट) में भी 26% हिस्सेदारी थी।

विद्युत का आयात/निर्यात या तो पावर एक्सचेंज के माध्यम से या पीपीए के अनुसार वाणिज्यिक शर्तों पर क्रय-विक्रय करने वाली संस्थाओं के बीच द्विपक्षीय समझौते के माध्यम से किया जाता है।

लो.स.अतारां.प्र.सं. 2772

अनुबंध

क्र. सं	संस्थापित क्षमता वाली परियोजना	कंपनी का नाम	स्वामित्व	निर्यातित मात्रा (मेगावाट)
1.	सिंगरौली (2000 मेगावाट)	एनटीपीसी	जनता	250 मेगावाट
2.	रिहंद-I (1000 मेगावाट)			
3.	रिहंद-II (1000 मेगावाट)			
4.	राष्ट्रीय राजधानी थर्मल पावर स्टेशन दादरी-II (980 मेगावाट)			
5.	फरक्का एसटीपीएस चरण-I और II, 1600 मेगावाट (3x200+2x500)			
6.	कहलगांव एसटीपीएस चरण-I, 840 मेगावाट (4x210)			
7.	कहलगांव एसटीपीएस चरण-II, 1500 मेगावाट (3x500)			
8.	तालचर एसटीपीएस चरण-I, 1000 मेगावाट (2x500)			
9.	कोरबा एसटीपीएस-I (2100 मेगावाट)			
10.	विंध्याचल एसटीपीएस-I (1260 मेगावाट)			
11.	विंध्याचल-II (1000 मेगावाट)			
12.	विंध्याचल-III (1000 मेगावाट)			
13.	सीपत-II (1000 मेगावाट)			
14.	अडानी पावर झारखंड लिमिटेड, गोड्डा (1600 मेगावाट)	अडानी पावर झारखंड लिमिटेड (एपीजेएल)	प्राइवेट	1,600 मेगावाट
15.	सेम्बकॉर्प एनर्जी इंडिया लिमिटेड प्रोजेक्ट2, आंध्र प्रदेश (1320 मेगावाट)	सेम्बिकॉर्प गायत्री प्राइवेट.लिमिटेड (एसजीपीएल)	प्राइवेट	450 मेगावाट

इसके अतिरिक्त, डीवीसी (300 मेगावाट) और त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम (टीएसईसीएल) (160 मेगावाट) से बांग्लादेश को विद्युत निर्यात की जा रही है। मणिपुर राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसपीडीसीएल) (3 मेगावाट) से भी म्यांमार को विद्युत निर्यात की जाती है। इसके अलावा, नेपाल और भूटान भारतीय पावर एक्सचैंज से विद्युत आयात करते हैं।

****